समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

पाकिस्तान की दुनियाभर मे भंारी बेइज्ज्ती, खिलाड़ियों ने PSL खेलने से किया मना ?

Publisher | Published on 14 May 2025

पाकिस्तान सुपर लीग 17 मई से फिर से शुरू होने जा रही है, लेकिन कई विदेशी खिलाड़ी पीएसएल खेलने से मना रहे है. ंइससे पाकिस्तान की दुनियाभर मे ं बेइज्जती हो रही है.

भारत में जिस तरह इंडियन प्रीमियन लीग (IPL) का आयोजन किया जाता है, ठीक उसी तरह पाकिस्तान में पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) होती है. भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते दोनों ही टूर्नामेंट को कुछ समय के लिए रद्द किया गया था. पाकिस्तान ने तो PSL रद्द करने के बाद इसे यूएई में कराने का फैसला लिया था. लेकिन इस मुस्लिम देश की सरकार ने पाकिस्तान को अपने मुल्क में टूर्नामेंट कराने से मना कर दिया. इसके बाद दुनियाभर में पाकिस्तान की खूब बेइज्जती हुई थी.

पाकिस्तान के पास खिलाड़ियों की किल्लत
पाकिस्तान की PSL की वजह से फिर एक बार भारी बेइज्जती हुई है. भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते खिलाड़ी पाकिस्तान की जमीन पर वापस लौटना नहीं चाहते. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफ से प्लेयर्स से काफी मिन्नतें की जा रही हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों ने पाकिस्तान न लौटने का मन बना लिया है. पीएसएल की टीम मुल्तान सुल्तांस को छोड़कर सभी टीमें इस बात के चलते टेंशन में हैं.

PSL के प्लेऑफ में पहुंचेगी ये टीमें
पीएसएल की फिर से शुरुआत 17 मई, 2025 से होने जा रही है. कराची, लाहौर, इस्लामाबाद, क्वेटा और पेशावर की टीमें प्लेऑफ की रेस में हैं. अगर इन टीमों को विदेशी खिलाड़ी नहीं मिले तो ये भी हो सकता है कि टूर्नामेंट में मिनी ड्राफ्ट करवाया जाए, जिसमें

पाकिस्तान के ही बाकी खिलाड़ियों को PSL में खिलवाया जा सकता है. वहीं कराची किंग्स के कप्तान और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी डेविड वार्नर पाकिस्तान वापस आने के लिए तैयार हो गए हैं.

रावलपिंडी स्टेडियम में हुआ था ड्रोन अटैक

पाकिस्तान में रावलपिंडी स्टेडियम के पास ड्रोन अटैक हुआ था, जिसके बाद से ही पाकिस्तान सुपर लीग को रद्द कर दिया गया. इसके बाद पीएसएल खेलने पहुंचे कई विदेशी खिलाड़ी अपने देश वापस लौट गए और अब पाकिस्तान के हालात को देखते हुए वापस आने से मना कर रहे हैं.

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.